शिखर 3

पाठ 8. बंदर ने बाँटी रोटी

पाठ का उद्देश्य
इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को आपस में मिल-जुलकर रहने तथा झगड़ा न करने की सीख देना है। बच्चों को समझाना है कि हमें अपनी वस्तुओं को अपने मित्रों एवं भाई-बहनों के साथ मिल-बाँटकर उपयोग करना चाहिए, इस तरह स्नेह बढ़ता है।

पाठ का सारांश
काली बिल्ली और सफ़ेद बिल्ली दोनों को भूख लगती है तथा वे रोटी की खोज में निकल पड़ती हैं। उन दोनों को एक रोटी मिलती है परंतु वे दोनों ही उसपर अपना-अपना अधिकार जताने लगती हैं। बात बढ़ते-बढ़ते दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। तभी एक बंदर तराज़ू लेकर उनका फ़ैसला करने आ जाता है। बंदर रोटी के टुकड़ों को चलाकी से छोटा-बड़ा करके तोड़ता है और पलड़ों पर रखता है। पलड़े बराबर करने के चक्कर में वह रोटी के टुकड़ों को खाता रहता है और दोनों बिल्लियाँ उसका मुँह ताकती रहती हैं। अंत में जब छोटा-सा टुकड़ा रह जाता है तो वह उसे भी खा लेता है और तराज़ू लेकर भाग जाता है। बेचारी बिल्लियाँ अपनी मूर्खता और लालच की वजह से भूखी ही रह जाती हैं।

अध्यापन संकेत
पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को मौन पठन करने के लिए कहें। उनसे पूछें यह नाटक क्या शिक्षा दे रहा है। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- क्या आप भी बिल्लियों की तरह कक्षा में या घर पर झगड़ा करते हो?
- उनमें मिल-बाँटकर चीज़ों का उपयोग करने की आदत का विकास करें।
- समझाएँ कि लड़ने-झगड़ने से कोई समस्या हल नहीं होती।
- दूसरों की बातों में नहीं आना चाहिए और अपनी समझ से निर्णय करना चाहिए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

खान-पान का रखो ध्यान (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।